International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 02(II), April - June, 2023, pp. 26-32

21वीं सदी में भारत–पाकिस्तान सम्बन्ध : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्यकाल के सन्दर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. नन्द सिंह*

सार

पाकिस्तान भारत का निकटतम पड़ोसी राष्ट्र है जिसकी 3323 किमी. (एल.ओ.सी. सहित) सीमा भारत के साथ लगती है। यह सीमा गुजरात, राजस्थान पंजाब तथा जम्मू कश्मीर राज्यों से होकर गुजरती है। पाकिस्तान का उत्तरी भाग पहाड़ी है, हिमालय पर्वतों के शिखर के बीच से गुजरता रास्ता खैबर पास के नाम से प्रसिद्ध है। भारत से उद्‌वित पांच नदियां यहां से गुजरती है एवं पंजाब प्रान्त की भूमि को उपजाऊ बनाती है। पाकिस्तान एवं भारत के बीच रेडक्लिफ रेखा है एवं अफगानिस्तान से लगती 86 कि.मी. सीमा रेखा जो पाक अधिकृत कश्मीर से लगती है। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में पाकिस्तान और भारत का अभ्युदय एक साथ हुआ। किसी देश की विदेश सम्बन्धों के निर्माण में उसके राष्ट्रीय हित निर्णायक होत है, जिसका निर्माण उसके भौगोलिक, राजनीतिक, ऐतिहासिक आर्थिक कारक व अन्तर्राष्ट्रीय घटना के आधार पर निर्धारित होते है। पाकिस्तान ने शुरू से ही नीतियों का निर्धारण किया एवं भारत से सुरक्षा की भावना के साथ समानता, स्वयं की पहचान और इस्लामिक विचारधारा को अपनी विदेश नीति बनाई जबकि भारत के अपनी ब्रिटिश नीति में पाकिस्तान के भारत से अलग होने के पश्चात् से वर्तमान तक भारत पाकिस्तान को अपने अच्छे पड़ोसी के रूप में माना, लेकिन पाकिस्तान द्वारा समय–समय पर विरोध जाहिर किया है। जिसका प्रभाव पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दे पर अमरिका एवं चीन को मध्यस्थ बनाना है। जबकि यह मुद्दा भाईचारे के रूप में आपसी बातचीत से हल करने का भारत का प्रयास रहा है। भारत ने पाकिस्तान के साथ असंलग्नता या गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाने पर बल दिया यहीं कारण है भारत पाकिस्तान के मुद्दे को किसी भी गुट में शामिल होकर भारत विश्व के तनाव को बढ़ाना नहीं चाहता।

शब्दकोषः *अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, विदेश नीति, सामरिक सुरक्षा, आपसी व्यापार।*

प्रस्तावना

15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन की समाप्ति के पूर्व तक पाकिस्तान भारत का ही एक अंग था। स्वतंत्रता के समय से ही भारत का पाकिस्तान के साथ संबंध संघर्ष और तनाव से भरा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था ने जोदार ढंग से भारत के विभाजन का विरोध किया था जबकि मुस्लिम लीग ने 'द्विराष्ट्र सिद्धांत' के आधार पर पाकिस्तान की स्थिति आजादी के तुरन्त बाद अनेक समस्यायें जैसे वित्तीय और सैन्य सम्पदा का विभाजन दोनों देशों के बीच सीमा रेखा का निर्धारण और राजघरानों द्वारा संचालित राज्यों का सम्मिलित, कश्मीर विवाद जल विवाद, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा साम्प्रदायिक मुद्‌दे इन विवादों के रहते ही दोनों देशों के बीच कुछ महत्वपूर्ण समझौते हुए जैसे की 1950 को नेहरू लियाकत

* सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, रूपनगढ़, अजमेर, राजस्थान।

समझौता, 1966 का ताशकंद समझौता और 1972 का शिमला समझौते के पश्चात् की दोनों देशों के बीच आपसी मनमुटाव में कमी नहीं आयी और पाकिस्तान अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भुट्टो कार्यकाल के परमाणु हथियार बनाने पर भी विचार करने लगा और जिया कार्यकाल के इस भावना को अधिक उजागर कर विदेशी सहायता ली गयी। जियाउल हक ने हालांकि भारत से बातचीत का दौर रखा, लेकिन समय–समय पर भारत विरोधी दुष्प्रचार और कश्मीर समस्या को और अधिक ज्वलंत बनाया।

जनरल परवेज मुशर्रफ कार्यकाल पाकिस्तान की राजनीति में अत्यन्त रोचक रहा है। पाकिस्तान की भारत नीति को एक नई दिशा प्रदान करने का प्रयास किया। उन्होंने अपनी कुटनीति का प्रयोग कर भारत के साथ नये सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने 1999 में पाकिस्तान के तख्तापलट किया सत्ता संभाली। मुशर्रफ ने भारत के प्रति हमेशा दोहरी नीति अपनायी। एक तरफ भारत के साथ सहयोग की बात की और दूसरी ओर भारत में आतंकवाद को प्रोत्साहन किया और अस्थिरता पैदा की कश्मीर आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी बताया और जिहादियों को आई.एस.आई. के संरक्षण में रखकर दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में आतंकवाद को फैलाया।

भारत से अनुरक्षण की भावना को उजागर कर चीन से सैनिक सामग्री और अमेरिका से आर्थिक सहायता लेता रहा, भारत के मतभेद होते हुए भी व्यापार आर्थिक संबंध और सहयोग पर जोर देता रहा। भारत ने पाकिस्तान को 1995 के मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दिया लेकिन भारत के अनुरोध के बावजूद जनरल मुशर्रफ ने भारत को एम.एफ.एन. का दर्जा नहीं दिया।

सन् 2018 में पाकिस्तान में फिर से आम चुनाव हुए जिसमें नवनिर्मित पार्टी तहरीक–ऐ–इन्साफ को बहुमत हासिल हुआ। तहरीक–ऐ–इन्साफ का हिन्दी में मतलब 'न्याय के लिए आन्दोलन' होता है। इस पार्टी की स्थापना सन् 1996 के क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने इमरान खान के द्वारा की गई। इनकी पार्टी ने पूरे पाकिस्तान में भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया जिसकी वजह से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पद छोड़ देना पड़ा।

इस प्रकार स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में सात दशक बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान लगभग 37 सालों के लंबे कालवधि तक सेना के साये में जिंदा रहा। पाकिस्तान की सियासत केवल तीन धड़ो–सेना, धार्मिक गुट एवं राजनीतिक दलों के इर्द–गर्द में घूमती रही।

भारत की मध्य एशिया पर लंबे समय से रूचि रही है इसकी प्राथमिक दिलचस्पी का कारण ऊर्जा क्षेत्र है इसके अतिरिक्त भारत का मध्य एशिया में अपना प्रभाव स्थापित करने का मुख्य कारण इस क्षेत्र में पाकिस्तान के प्रभाव को न्यूनतम करने और बाहरी शक्तियों के इस क्षेत्र में ग्रेट गेम/आंतरिक खेल जो इन दिनों आकार ले रहा है।

भारत अपनी 4सी नीति के तहत पाकिस्तान को जोड़ने के लिए 4सी नीति का संचालन प्रारंभ करने का प्रयास है जिसमें अर्थ 4सी (कार्य से, कनेक्टीविटी, कॉस्यूलर, कम्युनिटी) के तहत प्रयास किये जाते है।

भारत की ट्रैक–2 पहल के द्वारा मध्य एशियाई देशों एवं पाकिस्तान के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए जून–2012 से ट्रेक–2 कूटनीति की पहल की गई है।

नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल – 2014 से अब तक

भारत के गठबंधन सरकार के युग का अंत हुआ और भारतीय जनता पार्टी को 30 वर्षों के बाद पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। नरेन्द्र मोदी देश के नए प्रधानमंत्री बने मोदी ने विदेश नीति पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई देशों की यात्राऐं की और विदेशी संबंधों को मजबूत बनाने की पहल की।

पहले पड़ोसी की नीति

पहली बार किसी प्रधानमंत्री द्वारा अपने शपथ ग्रहण समारोह में दक्षेस सार्क के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा भारत के सबसे छोटे पड़ोसी देश भूटान के लिए

निर्धारित की गई। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वर्ष 2016 में पाकिस्तान की यात्रा की गई यह मात्रा 12 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पाकिस्तान यात्रा थी। इससे यह प्रतीत होता की भारत पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने के प्रति गंभीर है।

परन्तु प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद भारत के पंजाब प्रांत के पठानकोठ जनपद के स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर आतंकवादी हमला हुआ, जिसमें पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद का हाथ था। हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच प्रत्येक स्तर की वार्ता पर विराम लग गया। पाकिस्तान ने 2016 के मध्य में कश्मीर में भयंकर–हिसंक गतिविधियों को अन्जाम दिया। इसी प्रकार ईरान–पाकिस्तान सीमा पर आत्मघाती हमला किया, जिससे मोदी सरकार द्वारा शुरू की गयी शांति प्रक्रिया प्रभावित हुयी। इस क्रिया–प्रतिक्रिया से दोनों देशों के अविश्वास को बढ़ावा मिला। 1973 के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट के आतंकवादियों को बम से नष्ट किया।

एक्ट ईस्ट पॉलिसी

पूर्व की ओर देखों की नीति भारत द्वारा वर्ष 1992 में अपनाई गई, परन्तु इसके क्रियान्वयन में अनेक प्रकार की बाधाएं बनी हुई है। इसलिए लुक ईस्ट पॉलिसी की जगह पर एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर जोर दिया जा रहा है। जिससे भारत पाकिस्तान के संबंध और मजबूत बने।

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में दोनों देशों के बीच शांति की उम्मीद फिर से कायम हुयी लेकिन जम्मू–कश्मीर में धारा 370 के हटने से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक सम्बन्ध खत्म कर दिये गये। इसके बावजूद भी 2019 के अंत में करतारपुर गलियारे को खोल कर 'सकारात्मक संकेत' देने का प्रयास पाकिस्तान द्वारा हुआ, जिसमें सिक्ख समुदाय के लोग वहां यात्रा कर सकें। यह शांति का गलियारा दोनों देशों की सरकारों के परस्पर समझौते द्वारा हुआ। दोनों देशों को एक–दूसरे की सम्प्रभुता का सम्मान करना होगा।'' इसके अलावा कोई विवाद नहीं है।

बी.आर.आई. निर्माण परियोजना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चल रही है जो पश्चिमी चीन के कामनगर को पाकिस्तानी ग्वादर बंदरगाह को जोड़ेगी।

भारतीय सीमा प्रांत कश्मीर, लद्दाख, अरूणाचल प्रदेश, सिक्किम उत्तराखण्ड और पंजाब की सीमाओं के पास चौवालिस पुल बनाए जा रहे है। इसके पीछे रणनीतिक जरूरते हैं जिससे सैनिकों को व हथियारों को आसानी से ले जाया जा सके।

अगस्त 2019 में भारत द्वारा जम्मू कश्मीर के मानचित्र के बदलाव के बाद भी तनाव में अभी कमी नहीं आयी।

वर्तमान में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार है, परन्तु यह आन्तरिक अस्थिरता, बाहरी दबाव, भारत के समानता एवं प्रतिस्पर्धा की भावना एवं साइकोलॉजिकल वारफेयर के कारण भारत के साथ मधुर सम्बन्ध नहीं बना रही है।

प्रधानमंत्री इमरान खान भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से भारत के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाने की कोशिश करना चाहते है 'परन्तु तीन प्रमुख 'ए' आर्मी, अल्लाह, आई.एस.आई. ही वहां की राजनीति को तय करते है। पाकिस्तान अभी आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है उसे चाहिए कि मुख्य 'ए' से निकलकर एक सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था एवं प्रजातंत्र के सिद्धान्तों का प्रयोग करें जिससे उसके पड़ौसी देशों तथा आंतरिक समस्याओं से उसे निजात मिल सकें।

पाक अभी बलुचिस्तान, पख्तूनिस्तान, मुहाजिर की समस्या को लेकर संकट में है जिन्हें दबाये रखने के लिए ढ़ाई लाख सैनिक लगाने पड़ रहे है, वहीं सिंध में भी शासन एक सेना के विरूद्ध काफी नाराजगी है, इसलिए भारत के साथ युद्ध की हिम्मत तो उसे बर्बाद ही कर देगी।

निष्कर्ष

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटिश नीति में सबसे पहले पड़ोस की नीति रही है जो कि पड़ोसी राष्ट्रों के साथ मजबूत रिश्ते बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। वर्तमान पाकिस्तान सरकार को भी चाहिए कि वह भी इन रिश्तों के थोड़ी मिठास भरकर अपने कदम आगे बढ़ाते हुए भारत के साथ रिश्ते मजबूत बनाने के लिए अपनी विदेश नीति में बदलाव लाये। जिस प्रकार वर्तमान भारत सरकार ने कश्मीर के मुद्दे को जिस शान्तिपूर्ण तरीके से खत्म करने का प्रयास किया है उसी प्रकार पाकिस्तान को इसमें पहल करने की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

पुस्तकें

1. सिंह, यू.वी इण्डो पाकिस्तान रिलेशन्स : वियोन्ड पुलवामा एण्ड बालाकोट, पेंटागन प्रेस, यू.एस.ए. 2019
2. हक्कानी, हुसैन भारत बनाम पाकिस्तान : हम क्यों दोस्त नहीं हो सकते, फर्स्ट पब्लिकेशन, दिल्ली, 2016
3. पाण्डेय, अपर्णा एक्सपलेनिंग पाकिस्तान फॉरेन पॉलिसी, राउटलेज टेलर एण्ड फ्रांसीस ग्रुप, लंदन एण्ड न्यूयॉर्क 2011
4. जैफ्रेलोट, क्रिस्टोफर इण्डियन पाकिस्तानी डिवाइड : वाइ इंडिया इज डेमोक्रेटिक एण्ड पाकिस्तान इस नॉट, फॉरेन अफेयर्स, 2011
5. अली, मुबारक पाकिस्तान इन सर्च ऑफ आइडेन्टिटी, आकाश पब्लिशिंग, नई दिल्ली, 2011
6. वोल्पट, स्टेनले इण्डिया एण्ड पाकिस्तान कॉटिन्यड कॉनफलिक्टस एण्ड कॉपरेशन, केलिफोर्निया यूनिवर्सिटी प्रेस, 2010
7. मेहता, जगत एस. भारत की विदेश नीति : कल, आज और कल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008
8. दीक्षित, जे.एन. भारत–पाकिस्तान सम्बन्ध (युद्ध और शांति में), प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
9. अफजल, एम. रफीक : पाकिस्तान : हिस्ट्री एण्ड पॉलिटिकल 1947–1971, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कराची, 2001
10. अहमद अकबर, एस. : पाकिस्तान सोसायटी : इस्लाम एथनिसिटी एण्ड लीडरशिप इन साउथ एशिया, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 1988
11. अख्तर, तनवीर : पॉलिटिकन ऑर्गनाइजेशन एण्ड मिलिट्री लीडरशिप इन पाकिस्तान, एन.आई.एच.सी. आर., इस्लामाबाद, 2004
12. अली करामात (सं.) : पाकिस्तान : द पॉलिटिकल इकॉनॉमी ऑफ रूरल डवलपमेण्ट, वनगार्ड, लाहौर, 1986
13. अजीज ए. : पाकिस्तान क्राईसस् टू क्राईसस, कराची रॉयल बुक कम्पनी, कराची, 1986
14. बहादुर, कलीम (सं.) : डेमोक्रेसी इन पाकिस्तान : क्राइसिस एण्ड कॉन्फिलिक्ट्स, हर आनन्द, नई दिल्ली, 1998
15. भट्ट, अमिताभ : पाकिस्तान : द रॉग स्टेट (एपीसेन्टर ऑफ टेरेरिज्म), एशियन विजन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2018
16. बिन्द्रा, एस.एस. : डायनामिक्स ऑफ पाकिस्तान फोरिन पॉलिसी, दीप एण्ड दीप पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2011

17. चन्द्र प्रकाश : पाकिस्तान : पास्ट एण्ड प्रजेण्ट, ए.पी.एच. पब्लिशिंग कॉरपोरेशन, नई दिल्ली, 2003
18. चौपड़ा, सुरेन्द्र : पोस्ट–शिमला इण्डो–पाक रिलेशन्स, दीप एण्ड दीप पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 1988
19. चीमा, पी.आई. : पाकिस्तान डिफेन्स पॉलिसी 1947–58, मैकमिलन प्रेस, लंदन, 1990
20. दीक्षित जे.एन. : भारत की विदेश नीति और आतंकवाद, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2006
21. दहीया रूमाली, अशोक बिहुरिया : इण्डियाज नेबरहुड, इंडसा, नई दिल्ली, 2012
22. डाबला, बी.ए. : इन्क्रीजिंग स्यूयिसाइड इन कश्मीर : ए सोशियोलॉजिकल स्टडी, कल्पाज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2013
23. इयान, टेलबोट : पाकिस्तान : ए मॉडर्न हिस्ट्री, फाउण्डेशन बुक्स, लंदन, 2005
24. फारीक्यू, अहमद : मुशर्रफ पाकिस्तान बुश अमरीका एण्ड दी मिडिल इस्ट, वेनगुअरड बुक्स, लाहौर, 2008
25. ग्रीफित्स मार्टिन एण्ड हैरी ओ कालिधन : इंटरनेशनल रिलेशन्स : द की कॉन्सेप्ट्स, राउटलेज्स, लंदन एण्ड न्यूयॉर्क, 2002
26. गुजराल, आई.के. : ए फॉरिन पॉलिसी फॉर इण्डिया, मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयरस, नई दिल्ली, 1999
27. घोष, सुनीति कुमार : दि ट्रेजिक पार्टिशन ऑफ बंगाल, इण्डियन एकेडमी ऑफ सोशल साइन्सेज, इलाहाबाद, 2002
28. हंसनाथ, सैयद फारूक : ग्लोबल सिक्यूरिटी वॉच, पाकिस्तान, नई पेन्टागोन प्रेस, दिल्ली, 2012
29. जलाल, आयशा : डेमोक्रेसी एण्ड ऑथोरिटेरियनिज्म इन साउथ एशिया : ए कॉम्परेटिव एण्ड पॉलिटिकल परस्पैक्टिव, कैम्ब्रीज यूनिवर्सिटी प्रेस, कैम्ब्रीज, 1995
30. कमल, के.एल. : पाकिस्तान : द गैरिसन स्टेट, इन्टेलेक्युअल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1982
31. खान, वसीम अहमद : भारत–चीन–पाकिस्तान संबंध, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1998
32. कोहन, स्टेफन पी. : फ्यूचर ऑफ पाकिस्तान, ब्रुकिंग इंस्टीट्यूट प्रेस, लंदन, 2010
33. कुकरेजा, वीना : सिविल मिलिट्री रिलेशन्स इन साउथ एशिया : पाकिस्तान बांग्लादेश एण्ड इण्डिया, सेज पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 1991
34. कुमार, आशुतोष : पाकिस्तान वार ऑन 'गुड' वर्सस 'वेड' तालिबान, एशियन विजन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2018
35. मुशर्रफ परवेज : अग्निपथ (मेरी आत्मकथा), कृति प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
36. नेहरू, जवाहरलाल : इंडियाज फॉरिन पॉलिसी, पब्लिकेशन डिविजन गवर्नमेण्ट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली, 1961
37. नैयर, कुलदीप : वॉल एट वाघा : इण्डिया पाकिस्तान रिलेशन्स, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2005
38. नारंग, एस.सी. : इण्डिया चाइना एण्ड पाकिस्तान, प्रशान्त पब्लिकेशंस हाउस, नई दिल्ली, 2019
39. पंवार, नलिन सिंह : दक्षिण एशियाई देशों की राजनीति, प्रशांत पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2019
40. राईन, शमीम : 21वीं सदी के बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य : भारत–पाक सम्बन्ध, अल्फा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2012
41. रिजवी, हसन अस्करी, : द मिलिट्री इन पॉलिटिक्स ऑफ पाकिस्तान, प्रोग्रेसिव पब्लिशर्स, लाहौर, 1976

42. सिंह, यू.वी. : इण्डिया–पाकिस्तान रिलेशन्स, ग्लेमर, ड्रामा, आर. डिप्लोमेसी, पेन्टागन प्रेस, नई दिल्ली, 2012

43. स्वामी, प्रवीन : इण्डिया, पाकिस्तान एण्ड दी सेक्रीट जिहाद डी कवर्ट वार इन कश्मीर, 1947–2004, राउटलेड्ज, लन्दन एण्ड न्यूयॉर्क, 2011

44. टेलर, डोविड : पाकिस्तान ए बिबलियोग्राफी, बुक्स एण्ड बुक्स, कराची, 1996

45. ठाकुर, जीवन सिंह : भारत और पाकिस्तान की दोस्ती (और बुनियादी पहचान का संकट), राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2013

46. उपाध्याय, शशि : पाकिस्तान एण्ड सार्क, कलिंगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2012

47. उप्रेती, बी.सी., मोहनलाल शर्मा, एस.एन. कौशिक : इंडियाज फॉरिन पॉलिसी, कलिंगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

48. उप्रेती, बी.सी. एवं शशि उपाध्याय : स्टेट एण्ड डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया : इश्यूज एण्ड चैलेन्जेज, सुमित इन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली, 2008

49. वसीम, मोहम्मद : पॉलिटिक्स एण्ड द स्टेट इन पाकिस्तान, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, इस्लामाबाद, 1994

50. वीर, गौतम : अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, विश्व भारती, नई दिल्ली, 2016

51. युसूफ, मोहम्मद : पाकिस्तान मिलेस्टोन्स क्रोनोलॉजी (मार्च–1940, अगस्त 2010), मिरटर्स बुक्स, इस्लामाबाद, 2011

शोध लेख

52. वासु कौशिक : नेगेएटिंग द यूचर : इंडियाज करंट इकोनॉमिक पैराडोक्स ग्रोथ नम्बर आर नोट रिलेक्टेड वाई अदर इंडिकेटर्स, टाइम्स ऑफ इण्डिया, 30 अप्रैल, 2019

53. अनवर मुर्तजा : फॉरेन एण्ड टु पाकिस्तान : ए क्रिटिकल इवैल्यूएशन, पाकिस्तान होराईजन, वॉल्यूम–60, नं. 1, जनवरी, 2007

54. बुखारी, इम्तियाज : यू एस पॉलिसी एण्ड द सिक्यूरिटी ऑफ पाकिस्तान डिटरमिनेन्ट्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स, पाकिसतान डिफेन्स रिव्यू, वॉल्यूम 1, नं. 1, जून 1989, पृ.सं. 47–60

55. सज्जनहार, अशोक : ट्रंप प्रेसीडेंसी एण्ड यूजर ऑफ इण्डिया, यू.एस. रिलेशंस, http://www.orgonline.org/expert-speaks.raisinadebates.feb18/2017

56. नर्लीकर अमृता : इंडियाज रोल इन ग्लोबल गवर्नेन्स, ए मोदी फिक्शन, इंटरनेशनल अफेयर्स, 93 (1), 2017

57. गान नरोत्तम : सुपर पॉवर इन्वॉलमेंट इन इण्डिया पाकिस्तान रिलेशन्स, इण्डिया क्वार्टरली, वॉल्यूम 46, नं. 4, अक्टूबर–दिसम्बर 1994

58. मलिक इफ्तखार हैदरः स्टेट एण्ड सिविल सोसायटी इन पाकिस्तान : पॉलिटिक्स ऑफ ऑथॉरिटी, आडियोलॉजी एण्ड एथनिसिटी, यू.के. पलग्रेव मैकमिलन, 1997, न्यूयॉर्क, सेन्ट मार्टिन्ज, 1997

59. सिंह, सुधीर के. : एथिनिसिटी एण्ड रीजनल एसपाइरेशन्स इन पाकिस्तान, जर्नल ऑफ पीस स्टडीज, मई–जून, 2000

60. वसीम, एम. : फ्लूरलिज्म, एण्ड डेमोक्रेसी इन पाकिस्तान, इंटरनेशनल जरनल ऑन मल्टीकल्चरल सोसाइटी, 2003

61. बोखारी फरहान एण्ड हिले कैथरीन : पाकिस्तान टर्न्स टू चायना फॉर नेवेल, बेस, फाइनेनशियल टाइम्स, मई 22, 2011

पत्र–पत्रिकाएँ

62. एशियन रिकॉर्डर, नई दिल्ली
63. एशियन सर्वे, केलिफोर्निया
64. इकोनॉमिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली, मुम्बई
65. फ्रन्टलाईन, चेन्नई
66. साउथ एशियन, लाहौर
67. न्यूज रिव्यू ऑन साउथ एशिया एण्ड इण्डियन ओसियन, नई दिल्ली
68. पाकिस्तान जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, इस्लामाबाद
69. पाकिस्तान ईयर बुक, कराची
70. पाकिस्तान एण्ड गल्फ इकॉनोमिस्ट, कराची
71. साउथ एशिया जर्नल, नई दिल्ली
72. वर्ल्ड फोकस, नई दिल्ली

समाचार पत्र

73. द डॉन, करांची
74. द मुस्लिम, इस्लामााद
75. द हिन्दू, नई दिल्ली
76. द पाकिस्तान टाईम्स इस्लामाबाद
77. राष्ट्रीय सहारा, नई दिल्ली
78. जनसत्ता, नई दिल्ली
79. दैनिक भास्कर, जयपुर
80. राजस्थान पत्रिका, जयपुर
81. हिन्दुस्तान, नई दिल्ली

❖◆❖